एम0ए0 संस्कृत सेमेस्टर पाठ्यक्रम – 2016–17 सत्र से प्रवर्तित

एम0ए0 (प्रथम सत्रार्द्ध/सेमेस्टर)

प्रथम प्रश्नपत्र – वेद एवं वैदिक साहित्य का इतिहास

पूर्णांक– 100 (75+25)

(अ) वेद से निम्नलिखित सूक्त

इन्द्र–1/32, सूर्य–1/115, अग्नि–1/143, उषस्–3/61, मण्डूक–7/103, नासदीय–10/129, हिरण्यगर्भ–10/121, राष्ट्रविवर्धन सूक्त–1/29

(ब) वैदिक साहित्य का इतिहास –

निम्नलिखित अंश– वेद, वेदांग, उपनिषद्, आरण्यक, ब्राह्मणग्रन्थ।

सहायक पुस्तकें

1. द न्यू वैदिक सलेक्शन– भाग–02, सम्पादक– ब्रजबिहारी चौबे (तैलंग एवं चौबे)
2. ऋक्सूक्त संग्रह– डॉ0 हरिदत्त शास्त्री एवं डॉ0 कृष्णकुमार– प्रकाशन– साहित्य भण्डार सुभाष बाजार मेरठ– 250002
3- Hymns of the Rigvdea- Peterson
4. वैदिक साहित्य का इतिहास– प्रो0 राममूर्ति शर्मा
5. वैदिक साहित्य का इतिहास– गजानन शास्त्री मुसलगाँवकर एवं पं0 राजेश्वर (राजू) केशवशास्त्री मुसलगाँवकर प्रकाशन– चौखम्बा संस्कृत, वाराणसी
6. वैदिक साहित्य का इतिहास– कर्णसिंह
7. वैदिक साहित्य का इतिहास– वाचस्पति गैरोला
8. ऋक सूक्त मंजूषा– प्रो0 महावीर अग्रवाल, सत्यं प्रकाशन, नई दिल्ली

अंक विभाजन

1.	किन्हीं दो मन्त्रों की व्याख्या	2X10= 20 अंक
2.	किसी एक संहिता का पदपाठ	1X05= 05 अंक
3.	मंत्र के देवता अथवा सूक्त की विशेषता पर दो प्रश्न	2X10= 20 अंक
4.	वैदिकसाहित्य से सम्बन्धित दो लघूत्तरीय प्रश्न	2X05= 10 अंक
5.	वैदिकसाहित्य से सम्बन्धित एक दीर्घ उत्तरीय प्रश्न	1X10= 10 अंक
6.	बहुविकल्पीय प्रश्न 10(प्रत्येक 1अंक) सभी प्रश्न अनिवार्य	01X10 =10 अंक

एम0ए0 संस्कृत सेमेस्टर पाठ्यक्रम – 2016–17 सत्र से प्रवर्तित

एम0ए0 (प्रथम सत्रार्द्ध/सेमेस्टर)

द्वितीय प्रश्नपत्र – व्याकरण एवं पाली

पूर्णांक– 100 (75+25)

(अ) व्याकरण (सिद्धान्त कौमुदी) कारक प्रकरण।

(ब) पालि (धम्मपद, दशवग्गपर्यन्त)।

सहायक पुस्तकें

1. सिद्धान्त कौमुदी– भट्टोजिदीक्षित, व्याख्याकार– श्री गोपालदत्त पाण्डेय।
2. सिद्धान्त कौमुदी– भट्टोजिदीक्षित, व्याख्याकार– श्री बालकृष्ण पंचोली।
3. एम.ए. संस्कृत व्याकरण– श्री निवास शास्त्री।
4. धम्मपद– सम्पादक, कन्छेदीलाल गुप्त।
5. पालि साहित्य का इतिहास, डॉ0 भरतसिंह उपाध्याय।

अंक विभाजन

1.	किन्हीं तीन सूक्तों की व्याख्या	03X05= 15 अंक
2.	सूत्र निर्देश पूर्वक पांच प्रयोग सिद्धि	05X05= 25 अंक
3.	धम्मपद से व्याख्या	01X10= 10 अंक
4.	धम्मपद से दो श्लोकों का अनुवाद	02X05= 10 अंक
5.	पालि से एक श्लोक की संस्कृत छाया	01X05= 05 अंक
6.	बहुविकल्पीय प्रश्न 10(प्रत्येक 1अंक) सभी प्रश्न अनिवार्य	01X10 = 10अंक

एम0ए0 संस्कृत सेमेस्टर पाठ्यक्रम – 2016–17 सत्र से प्रवर्तित

एम0ए0 (प्रथम सत्रार्द्ध/सेमेस्टर)

तृतीय प्रश्न पत्र – सांख्य एवं न्याय

पूर्णांक– 100 (75+25)

(अ) सांख्यकारिका– ईश्वरकृष्ण कृत (35वीं कारिका पर्यन्त)

(ब) तर्कभाषा– केशवमिश्र (प्रामाण्यवादपर्यन्त)

सहायक पुस्तकें

1. सांख्यकारिका– ढुण्ढिराज शास्त्री
2. सांख्यकारिका– डॉ0 रमाशंकर तिवारी
3. सांख्यकारिका– जगन्नाथ शास्त्री
4. सांख्यकारिका– डॉ0 रामकृष्ण आचार्य
5. तर्कभाषा– आचार्य विश्वेश्वर
6. तर्कभाषा– श्रीनिवास शास्त्री
7. तर्कभाषा– आचार्य बदरीनाथ शुक्ल
8. भारतीय दर्शन– उमेश मिश्र
9. Indian Pholosophy- Das Gupta

अंक विभाजन

1.	सांख्यकारिका से दो कारिकाओं की व्याख्या	02x10= 20 अंक
2.	सांख्यकारिका से एक समीक्षात्मक प्रश्न	01X10= 10 अंक
3.	तर्कभाषा से दो व्याख्याऐं	02x10= 20 अंक
4.	तर्कभाषा से एक समीक्षात्मक प्रश्न	01X10= 10 अंक
5.	तर्कभाषा से एक टिप्पणी	01X05= 05 अंक
6.	बहुविकल्पीय प्रश्न 10(प्रत्येक 1अंक) सभी प्रश्न अनिवार्य	01X10 = 10अंक

एम0ए0 संस्कृत सेमेस्टर पाठ्यक्रम – 2016–17 सत्र से प्रवर्तित

एम0ए0 (प्रथम सत्रार्द्ध/सेमेस्टर)

चतुर्थ प्रश्न पत्र– नाटक एवं संस्कृत साहित्य का इतिहास

पूर्णांक– 100 (75+25)

(अ) उत्तररामचरितम् – भवभूति (सम्पूर्ण)

(ब) संस्कृत नाटक एवं नाट्यसाहित्य का इतिहास – निम्नांकित नाटककारों के सन्दर्भ में – भास, कालिदास, भवभूति, शूद्रक, विशाखदत्त, भट्ट नारायण।

सहायक पुस्तकें

1. उत्तररामचरितम्– कपिलदेव द्विवेदी
2. उत्तररामचरितम्– कृष्णकान्त शुक्ल एवं ब्रह्मानन्द शुक्ल
3. उत्तररामचरितम् की शास्त्रीय समीक्षा– डॉ0 सत्यनारायण चौधरी
4. भवभूति ग्रन्थावली– राम प्रताप त्रिपाठी
5. भवभूति एवं उनकी नाट्यकला– अयोध्याप्रसाद सिंह
6. संस्कृत सुकवि समीक्षा– बलदेव उपाध्याय
7. संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास– कपिलदेव द्विवेदी
8. संस्कृत साहित्य का इतिहास– बलदेव उपाध्याय
9. संस्कृत साहित्य की रूपरेखा– पाण्डेय एवं व्यास
10. संस्कृत काव्यकार– हरिदत्त शास्त्री

अंक विभाजन

1.	उत्तररामचरितम् से दो श्लोकों की व्याख्या	02X10= 20 अंक
2.	उत्तररामचरितम् से एक सूक्ति की व्याख्या	01X10= 10 अंक
3.	उत्तररामचरितम् से एक समीक्षात्मक प्रश्न	01X10= 10 अंक
4.	संस्कृत नाटककारों से सम्बन्धित तीन टिप्पणियॉ	03X05= 15 अंक
5.	संस्कृत नाटककारों से किसी एक के विषय में समीक्षात्मक प्रश्न	01X10= 10 अंक
6.	बहुविकल्पीय प्रश्न 10(प्रत्येक 1अंक) सभी प्रश्न अनिवार्य	01X10 = 10अंक

एम0ए0 संस्कृत सेमेस्टर पाठ्यक्रम – 2016–17 सत्र से प्रवर्तित

एम0ए0 (द्वितीय सत्रार्द्ध/सेमेस्टर)

प्रथम प्रश्न पत्र – निरुक्त एवं पाणिनीय शिक्षा

पूर्णांक– 100 (75+25)

(अ) निरुक्त– यास्क (प्रथम अध्याय)

(ब) पाणिनीय शिक्षा

सहायक पुस्तकें

1. हिन्दी निरुक्त– कपिलदेव शास्त्री
2. हिन्दी निरुक्त– छज्जूराम शास्त्री
3. पाणिनीय शिक्षा– रूद्रप्रसाद अवस्थी
4. पाणिनीय शिक्षा– प्रो0 श्रीनारायण मिश्र

अंक विभाजन

1.	निरुक्त से दो सूत्रों की व्याख्या	02X10= 20 अंक
2.	निरुक्त से समीक्षात्मक प्रश्न	01X10= 10 अंक
3.	पद निर्वचन	04x2-5= 10 अंक
4.	पाणिनीय शिक्षा से दो व्याख्या	02X10= 20 अंक
5.	पाणिनीय शिक्षा से एक लघूत्तरीय प्रश्न	01X05= 05 अंक
6.	बहुविकल्पीय प्रश्न 10(प्रत्येक 1अंक) सभी प्रश्न अनिवार्य	01X10 = 10अंक

एम0ए0 संस्कृत सेमेस्टर पाठ्यक्रम – 2016–17 सत्र से प्रवर्तित

एम.ए. (द्वितीय सत्रार्द्ध/सेमेस्टर)

द्वितीय प्रश्न पत्र – प्राकृत एवं भाषा विज्ञान

पूर्णांक– 100 (75+25)

(अ) कर्पूरमंजरी– राजशेखर प्रणीत।

(ब) भाषा विज्ञान के निम्नलिखित अंश– भाषा विज्ञान की परिभाषा, भाषा का स्वरूप, उद्‌गम और विकास, ध्वनि विज्ञान, वाक्य विज्ञान, अर्थ विज्ञान एवं ध्वनि नियम।

सहायक पुस्तकें

1. कर्पूरमंजरी (राजशेखर)– चुन्नीलाल शुक्ल
2. कर्पूरमंजरी (राजशेखर)– रामकुमार आचार्य
3. अभिनव प्राकृत प्रकाश– नेमिचन्द्र शास्त्री
4. संस्कृत भाषा विज्ञान– राजकिशोर सिंह
5. भाषा विज्ञान एवं भाषाशास्त्र– डॉ0 कपिलदेव द्विवेदी
6. भाषा विज्ञान– डॉ0 भोलानाथ तिवारी
7. भाषा विज्ञान– डॉ0 कर्णसिंह

अंक विभाजन

1.	कर्पूरमंजरी से दो व्याख्याएँ	02x10= 20 अंक
2.	कर्पूरमंजरी से दो में से एक टिप्पणी	01X05= 05 अंक
3.	कर्पूरमंजरी से संस्कृत छाया	01x05= 05 अंक
4.	भाषा विज्ञान पर दो समीक्षात्मक प्रश्न	02X12.5= 25 अंक
5.	भाषा विज्ञान से दो टिप्पणियां	02X05= 10 अंक
6.	बहुविकल्पीय प्रश्न 10(प्रत्येक 1अंक) सभी प्रश्न अनिवार्य	01X10 = 10अंक

एम0ए0 संस्कृत सेमेस्टर पाठ्यक्रम – 2016–17 सत्र से प्रवर्तित

एम0ए0 (द्वितीय सत्रार्द्ध/सेमेस्टर)

तृतीय प्रश्न पत्र – वेदान्त एवं दर्शन साहित्य का इतिहास

पूर्णांक– 100 (75+25)

(अ) वेदान्तसार– सदानन्द (सम्पूर्ण)।

(ब) दर्शन साहित्य का इतिहास– निम्नलिखित अंश– षड्दर्शन (आस्तिक) एवं जैन बौद्ध व चार्वाक (नास्तिक) दर्शन।

सहायक पुस्तकें

1. वेदान्तसार– रामशरण त्रिपाठी
2. वेदान्तसार– राममूर्ति शर्मा
3. वेदान्तसार– महेशचन्द्र उपाध्याय
4. भारतीय दर्शन– बलदेव उपाध्याय
5. भारतीय दर्शन– दत्त एवं चटर्जी
6. Indian Philosophy- Das Gupta
7. सर्वदर्शन संग्रह –

अंक विभाजन

1.	वेदान्तसार से दो व्याख्याएँ	02x10= 20 अंक
2.	वेदान्तसार से समीक्षात्मक प्रश्न	01x10= 10 अंक
3.	वेदान्तसार से टिप्पणी	01x05= 05 अंक
4.	आस्तिक दर्शन से दो समीक्षात्मक प्रश्न	02x10= 20 अंक
5.	नास्तिक दर्शन से एक समीक्षात्मक प्रश्न	01x10= 10 अंक
6.	बहुविकल्पीय प्रश्न 10(प्रत्येक 1अंक) सभी प्रश्न अनिवार्य	01x10 = 10अंक

एम0ए0 संस्कृत सेमेस्टर पाठ्यक्रम – 2016–17 सत्र से प्रवर्तित

एम.ए. (द्वितीय सत्रार्द्ध/सेमेस्टर)

चतुर्थ प्रश्न पत्र – काव्य एवं भारतीय संस्कृति

पूर्णांक– 100 (75+25)

(अ) मेघदूतम् कालिदासकृत् (पूर्वमेघ)

(ब) नैषधीयचरितम् (प्रथम सर्ग) श्रीहर्षप्रणीत

(स) भारतीय संस्कृति से निम्नलिखित अंश – भारतीय संस्कृति की मुख्य विशेषताऐं, वर्णाश्रम व्यवस्था, संस्कार एवं पंचमहायज्ञ।

सहायक पुस्तकें

1. मेघदूतम्– संसार चन्द्र
2. मेघदूतम्– डॉ0 शिवराज शास्त्री
3. मेघदूतम्– वैद्यनाथ झा
4. मेघदूतम्– डॉ0 देबीदत्त शर्मा
5. नैषधीयचरीतम्– सुरेन्द्रदेव शास्त्री
6. नैषधमहाकाव्यम्– हरगोविन्द शास्त्री
7. नैषधमहाकाव्य– डॉ0 शिवराज शास्त्री
8. नैषधपरिशीलन– चण्डिका प्रसाद शुक्ल
9. भारतीय संस्कृति का इतिहास– डॉ0 सत्यकेतु विद्यालंकार
10. भारतीय संस्कृति– नरेन्द्रदेव शास्त्री
11. भारतीय संस्कृति के आधारतत्व– कृष्णकुमार
12. हमारी प्राचीन संस्कृति– डॉ0 सत्यप्रकाश शास्त्री

अंक विभाजन

1.	मेघदूतम् से दो व्याख्याएँ	02x10= 20 अंक
2.	मेघदूतम् से समीक्षात्मक प्रश्न	01X05= 05 अंक
3.	नैषधीयचरितम् से दो टिप्पणी	10x02= 20 अंक
4.	नैषधीयचरितम् से एक सूक्ति/लघूत्तरीय प्रश्न	01X10= 10 अंक
5.	भारतीय संस्कृति से सम्बन्धित एक समीक्षात्मक प्रश्न	01X10= 10 अंक
6.	बहुविकल्पीय प्रश्न 10(प्रत्येक 1अंक) सभी प्रश्न अनिवार्य	01X10 = 10अंक

एम.ए. संस्कृत सेमेस्टर पाठ्यक्रम 2017–18 सत्र से प्रवर्तित

एम.ए. (तृतीय सत्रार्द्ध/सेमेस्टर)

प्रथम प्रश्न पत्र – व्याकरण

पूर्णांक– 100 (75+25)

(अ) व्याकरण महाभाष्य (पस्पशाह्निक)

(ब) लघुसिद्धान्त कौमुदी (लट्, लृट्, लोट्, लङ् तथा विधिलिङ् लकारों में भू एध् धातु की रूप सिद्धि)

सहायक पुस्तकें

1. महाभाष्य – पं0 चारुदेव शास्त्री
2. महाभाष्य – प्रदीपोद्योतटीका सहित– वेदव्रत
3. महाभाष्य – युधिष्ठिर मीमांसक
4. लघु सिद्धान्त कौमुदी – महेश सिंह कुशवाहा
5. लघु सिद्धान्त कौमुदी – डॉ0 सुरेन्द्र देव शास्त्री
6. लघुसिद्धान्त कौमुदी – श्री धरानन्द शास्त्री

अंक विभाजन

1.	व्याकरण महाभाष्य से दो व्याख्याएँ	02x10= 20 अंक
2.	व्याकरण महाभाष्य से सम्बन्धित एक समीक्षात्मक प्रश्न	01x10= 10 अंक
3.	लघुसिद्धान्तकौमुदी से चार (सूत्र निर्देश पूर्वक) प्रयोग सिद्धि	04x05= 20 अंक
4.	लघुसिद्धान्तकौमुदी से दो सूत्रों की व्याख्या	02x05= 10 अंक
5.	लघुसिद्धान्तकौमुदी से दो संज्ञायें	02x2-5= 05 अंक
6	बहुविकल्पीय प्रश्न 10(प्रत्येक 1अंक) सभी प्रश्न अनिवार्य	01x10 = 10 अंक

एम.ए. संस्कृत सेमेस्टर पाठ्यक्रम 2017–18 सत्र से प्रवर्तित

एम.ए. (तृतीय सत्रार्द्ध/सेमेस्टर)

प्रथम प्रश्न पत्र – (वैकल्पिक) लघुशोध प्रबन्ध

पूर्णांक– 100

(क) इस विकल्प को वही परीक्षार्थी ले सकेगा जो एम0ए0 संस्कृत का संस्थागत परीक्षार्थी होगा तथा जिसने एम0ए0 प्रथम एवं द्वितीय सेमेस्टर की परीक्षा में न्यूनतम 60 (साठ) प्रतिशत अंक प्राप्त किये हो।

(ख) इस विकल्प को लेने वाले परीक्षार्थी को एक लघु शोधप्रबन्ध लिखना होगा। जिसका विषय संस्कृत वाङ्मय की ही किसी न किसी शाखा से सम्बन्धित होगा और वह मौलिक, गवेषणात्मक, अभिनवमूल्याङ्कनात्मक अथवा सर्वेक्षणात्मक होगा।

(ग) परीक्षार्थी अपने शोध निर्देशक के निर्देशन में प्रस्तावित लघुशोध प्रबन्ध के प्रतिपाद्य विषय की संक्षिप्त रूपरेखा को विभागाध्यक्ष से स्वीकृत कराने के बाद ही अपने लघुशोध प्रबन्ध को लिखना शुरु करेगा तथा उसकी दो प्रतियाँ टाइप करवाकर लिखित परीक्षा प्रारम्भ होने से कम से कम एक माह पूर्व अपने विभागाध्यक्ष के पास जमा करेगा।

(घ) विभागाध्यक्ष परीक्षार्थी से प्राप्त उसके लघु शोधप्रबन्ध की उन दो प्रतियों को विश्वविद्यालय कुलसचिव के पास परीक्षण करने हेतु भेजेगा।

(ड़) परीक्षार्थी को अपने शोध निर्देशक से ऐसा प्रमाणपत्र भी लेना होगा जो यह सिद्ध करें कि लघुशोध प्रबन्ध का लेखन उसने स्वयं ही किया है और इस कार्य में उसने किसी से अवैध सहायता नहीं ली है। यह प्रमाणपत्र लघुशोध प्रबन्ध में ही संलग्न कर देना होगा।

(च) इस लघुशोध प्रबन्ध के मूल्यांकन हेतु पूर्णांक 100 होंगे। परीक्षण कार्य शोधनिर्देशक एवं बाह्य परीक्षक दोनों से कराया जायेगा। दोनों के लिए 50–50 अंक निर्धारित किये जायेगें।

एम.ए. संस्कृत सेमेस्टर पाठ्यक्रम 2017–18 सत्र से प्रवर्तित

एम.ए. (तृतीय सत्रार्द्ध/सेमेस्टर)

द्वितीय प्रश्नपत्र – गद्य एवं ऐतिहासिक काव्य

पूर्णांक– 100 (75+25)

(अ) कादम्बरी बाणभट्टकृत (उज्जयिनी वर्णन से राजकुल वर्णन पर्यन्त)

(ब) विक्रमांकदेवचरितम् (प्रथम सर्ग)

सहायक पुस्तकें

1. कादम्बरी– श्रीनिवास मिश्र
2. कादम्बरी– कृष्णमोहन शास्त्री
3. कादम्बरी एक सांस्कृतिक अध्ययन– वासुदेवशरण अग्रवाल
4. विक्रमांकदेवचरितम्– बी0एस0 मुरारीलाल नागर
5. विक्रमांकदेवचरितम्– विश्वनाथशास्त्री भारद्वाज
6. विक्रमांकदेवचरितम्– हरगोविन्द शास्त्री

अंक विभाजन

1.	विक्रमांकदेवचरितम् से दो व्याख्याएँ	02x10= 20 अंक
2.	विक्रमांकदेवचरितम् से एक समीक्षात्मक प्रश्न	01x10= 10 अंक
3.	कादम्बरी से दो व्याख्याऐं	02x10= 20 अंक
4.	कादम्बरी से एक समीक्षात्मक प्रश्न	01x10= 10 अंक
5.	कादम्बरी से एक अनुवाद	01x05= 05 अंक
6.	बहुविकल्पीय प्रश्न 10(प्रत्येक 1अंक) सभी प्रश्न अनिवार्य	01x10 = 10 अंक

एम.ए. संस्कृत सेमेस्टर पाठ्यक्रम 2017–18 सत्र से प्रवर्तित

एम.ए. (तृतीय सत्रार्द्ध/सेमेस्टर)

तृतीय प्रश्न पत्र – नाट्यशास्त्र

पूर्णांक– 100 (75+25)

(अ) नाट्यशास्त्र – भरत प्रणीत (प्रथम अध्याय)

(ब) दशरूपकम्– धनंजय प्रणीत (सम्पूर्ण)

सहायक पुस्तकें

1. नाट्यशास्त्र– डॉ0 सत्यार्थ प्रकाश शर्मा
2. नाट्यशास्त्र– बाबूलाल शुक्ल
3. नाट्यशास्त्र– एम0पी0 यूनी
4. नाट्यशास्त्र– डॉ0 सुधाकर मालवीय
5. संस्कृत नाट्य सिद्धान्त– डॉ0 रमाकान्त त्रिपाटी
6. दशरूपकम्– भोलाशंकर व्यास
7. दशरूपकम्– श्रीनिवास शास्त्री
8. दशरूपकम्– सुधाकर मालवीय
9. Sanskrit Drama- A. B. Keeth
10. Dasharupakam- Ed. & Tran- by F. Hall

अंक विभाजन

1.	नाट्यशास्त्र से दो व्याख्याएँ	02x7.5= 15 अंक
2.	नाट्यशास्त्र से एक टिप्पणी	01x05= 05 अंक
3.	दशरूपकम् से दो व्याख्याऐं	02x10= 20 अंक
4.	दशरूपकम् से एक समीक्षात्मक प्रश्न	15 अंक
5.	दशरूपकम् से दो टिप्पणी	02x05= 10 अंक
6.	बहुविकल्पीय प्रश्न 10(प्रत्येक 1अंक) सभी प्रश्न अनिवार्य	01x10 = 10 अंक

एम.ए. संस्कृत सेमेस्टर पाठ्यक्रम 2017–18 सत्र से प्रवर्तित

एम.ए. (तृतीय सत्रार्द्ध/सेमेस्टर)

चतुर्थ प्रश्न पत्र – काव्यशास्त्र

पूर्णांक– 100 (75+25)

(अ) काव्यशास्त्र – आचार्य मम्मट (प्रथम, द्वितीय, चतुर्थ उल्लास रससूत्र पर्यन्त)

(ब) काव्यशास्त्र – आचार्य मम्मट (सप्तम, अष्टमउल्लास)

सहायक पुस्तकें –

1. काव्यप्रकाश– डॉ0 बाबूलाल शुक्ल
2. काव्यप्रकाश– आचार्य विश्वेश्वर
3. काव्यप्रकाश– वामन झलकीकर
4. काव्यप्रकाश– श्रीनिवास शास्त्री
5. काव्यप्रकाश– पारसनाथ द्विवेदी
6. संस्कृत काव्यशास्त्र का इतिहास– प्रो0 एस0 के0 डे0
7. अलंकारशास्त्र का इतिहास– डॉ0 कृष्ण कुमार
8. संस्कृत काव्यशास्त्र का इतिहास– पी0 वी0 काणे
9. भारतीय काव्यशास्त्र मीमांसा– डॉ0 हरिनारायण दीक्षित एवं डॉ0 किरन टण्डन
10. भारतीय साहित्य शास्त्र– डॉ0 बलदेव उपाध्याय

अंक विभाजन

1.	काव्यप्रकाश प्रथम, द्वितीय, चतुर्थ से दो व्याख्याएँ	02x7.5= 15 अंक
2.	काव्यप्रकाश प्रथम, द्वितीय, चतुर्थ से दो सूत्रांश व्याख्या	02x05= 10 अंक
3.	काव्यप्रकाश प्रथम, द्वितीय, चतुर्थ से एक समीक्षात्मक प्रश्न	01x10= 10 अंक
4.	काव्यप्रकाश सप्तम, अष्टमउल्लास से दो व्याख्यायें प्रश्न	02x10= 20 अंक
5.	काव्यप्रकाश सप्तम, अष्टमउल्लास से एक आलोचनात्मक प्रश्न	01x10= 10 अंक
6.	बहुविकल्पीय प्रश्न 10(प्रत्येक 1अंक) सभी प्रश्न अनिवार्य	01x10 = 10अंक

एम.ए. संस्कृत सेमेस्टर पाठ्यक्रम 2017–18 सत्र से प्रवर्तित

एम.ए. (चतुर्थ सत्रार्द्ध/सेमेस्टर)

प्रथम प्रश्न पत्र – व्याकरण एवं निबन्ध

पूर्णांक– 100 (75+25)

(अ) वाक्यपदीयम्– भर्तृहरि (ब्रह्मकाण्ड), 1–75 वीं कारिका पर्यन्त व्याख्या।

(ब) संस्कृत निबन्ध लेखन।

सहायक पुस्तकें

1. वाक्यपदीयम् (ब्रह्मकाण्ड)– पं0 रामगोविन्द शुक्ल
2. वाक्यपदीयम् (ब्रह्मकाण्ड)– डॉ0 शिवशंकर अवस्थी
3. वाक्यपदीयम् (ब्रह्मकाण्ड)– डॉ0 वामदेव आचार्य
4. भाषातन्त्र और वाक्यपदीयम– डॉ0 सत्यकाम वर्मा
5. संस्कृत निबन्धशतकम्– डॉ0 कपिलदेव द्विवेदी
6. संस्कृत निबन्धावली– डॉ0 हरिनारायण दीक्षित
7. संस्कृत निबन्धांजलि– डॉ0 रामकृष्णाचार्य
8. संस्कृत निबन्धादर्श– डॉ0 राममूर्ति शर्मा
9. व्याकरण शास्त्र का इतिहास– पं0 युधिष्ठिर मीमांसक
10. व्याकरण दर्शन– पं0 युधिष्ठिर मीमांसक

अंक विभाजन

1.	वाक्यपदीयम् से दो कारिकाओं की व्याख्याएँ	02x10= 20 अंक
2.	वाक्यपदीयम् से एक आलोचानात्मक प्रश्न	01X10= 10 अंक
3.	वाक्यपदीयम् से दो टिप्पणी	02x05= 10 अंक
4.	निबन्ध लेखन (संस्कृत में अनिवार्य)	25 अंक
5.	बहुविकल्पीय प्रश्न 10(प्रत्येक 1अंक) सभी प्रश्न अनिवार्य	01X10 = 10 अंक

एम.ए. संस्कृत सेमेस्टर पाठ्यक्रम 2017–18 सत्र से प्रवर्तित

एम.ए. (चतुर्थ सत्रार्द्ध /सेमेस्टर)

द्वितीय प्रश्न पत्र – संस्कृत नाट्य एवं चम्पू

पूर्णांक– 100 (75+25)

(अ) मृच्छकटिकम्– शूद्रक प्रणीत

(ब) नलचम्पू– त्रिविक्रम भट्ट (प्रश्न उच्छ्वास)

सहायक पुस्तकें –

1. मृच्छकटिकम्– रमाकान्त द्विवेदी
2. मृच्छकटिकम्– निरूपण विद्यालंकार
3. मृच्छकटिकम्– सुधांशु पन्त
4. महाकवि शूद्रक– रमाशंकर तिवारी
5. नलचम्पू– प्रो0 कैलाशपति त्रिपाठी
6. चम्पूकाव्य का आलोचनात्मक अध्ययन– प्रो0 छविनाथ त्रिपाठी

अंक विभाजन

1.	मृच्छकटिकम् से दो व्याख्या	02x7.5= 15 अंक
2.	मृच्छकटिकम् से चरित्र चित्रण	01X10= 10 अंक
3.	मृच्छकटिकम् से एक समीक्षात्मक प्रश्न	01x10= 10 अंक
4.	नलचम्पू से ए गद्य तथा एक पद्य व्याख्या	02x10= 20 अंक
5.	नलचम्पू से एक समीक्षात्मक प्रश्न	01X10= 10 अंक
6.	बहुविकल्पीय प्रश्न 10(प्रत्येक 1अंक) सभी प्रश्न अनिवार्य	01X10 = 10 अंक

एम.ए. संस्कृत सेमेस्टर पाठ्यक्रम 2017–18 सत्र से प्रवर्तित

एम0ए0 (चतुर्थ सत्रार्द्ध/सेमेस्टर)

द्वितीय प्रश्न पत्र – (वैकल्पिक) आधुनिक संस्कृत नाटक

पूर्णांकः 100 (75+25)

(अ) भारतविजय नाटकम् – महामहोपाध्याय पं0 मथुराप्रसाद दीक्षित

(ब) गोपालबन्धुः – डॉ0 हरिनारायण दीक्षित

सहायक पुस्तकें

1. भारतविजय नाटकम् – म0म0पं0 मथुराप्रसाद दीक्षित
2. गोपालबन्धुः – डॉ0 हरिनारायण दीक्षित
3. आधुनिक संस्कृत नाटक– रामजी उपाध्याय
4. संस्कृत नाट्य सिद्धान्त– डॉ0 रमाकान्त त्रिपाठी

अंक विभाजन

1.	गोपालबन्धुः नाटक से दो व्याख्याऐं	10x2= 20 अंक
2.	गोपालबन्धुः नाटक से एक समीक्षात्मक प्रश्न	10 अंक
3.	भारतविजयनाटकम् से दो व्याख्याएँ	02x10= 20 अंक
4	भारतविजयनाटकम् से एक चरित्र चित्रण	07 अंक
5.	भारतविजयनाटकम् से एक समीक्षात्मक प्रश्न	08 अंक
6.	बहुविकल्पीय प्रश्न 10(प्रत्येक 1अंक) सभी प्रश्न अनिवार्य	01x10 = 10 अंक

एम.ए. संस्कृत सेमेस्टर पाठ्यक्रम 2017–18 सत्र से प्रवर्तित

एम0ए0 (चतुर्थ सत्रार्द्ध/सेमेस्टर)

तृतीय प्रश्न पत्र – काव्यशास्त्र

पूर्णांकः 100 (75+25)

(अ) काव्यालंकार सूत्रवृत्ति – वामन प्रणीत (प्रथम एवं द्वितीय अधिकरण)

(ब) ध्वन्यालोक – आनन्दवर्धन प्रणीत (प्रथम उद्योत)

सहायक पुस्तकें :–

1. काव्यालंकार सूत्राणि – हरगोविन्द शस्त्री
2. काव्यालंकार सूत्रवृत्ति– डॉ0 बेचन झा
3. ध्वन्यालोक– आचार्य विश्वेश्वर
4. ध्वन्यालोक– जगन्नाथ पाठक
5. ध्वन्यालोक– रामसागर त्रिपाठी
6. भामह और वामन के काव्यसिद्धान्त – रमण कुमार शर्मा
7. भारतीय काव्यशास्त्र की भूमिका– नगेन्द्र
7. भारतीय साहित्यशास्त्र– आचार्य बलदेव उपाध्याय
8. भारतीय काव्यशास्त्र मीमांसा– डॉ0 हरिनारायण दीक्षित एवं डॉ0 किरण टण्डन
9- History of Sanskrit Poetics- Prof. P.V. Kane
10- History of Sanskrit Poetics – Prof. S.K. De

अंक विभाजन

1	काव्यालंकार सूत्रवृत्ति से चार सूत्रों की व्याख्या	04X05 = 20अंक
2	काव्यालंकार सूत्रवृत्ति से दो टिप्पणी	02X05 = 10अंक
3	ध्वन्यालोक से दो कारिकाओं की व्याख्या	02X10 = 20अंक
4	ध्वन्यालोक से एक आलोचनात्मक प्रश्न	01X10 = 10अंक
5	ध्वन्यालोक अथवा काव्यालंकार सूत्रवृत्ति के कर्त्ता से सम्बन्धित एक प्रश्न	05 अंक
6	बहुविकल्पीय प्रश्न 10 (प्रत्येक 1अंक) सभी प्रश्न अनिवार्य	01X10 = 10अंक

एम.ए. संस्कृत सेमेस्टर पाठ्यक्रम 2017–18 सत्र से प्रवर्तित

एम0ए0 (चतुर्थ सत्रार्द्ध/सेमेस्टर)

चतुर्थ प्रश्नपत्र – मौखिकी

पूर्णांकः100

नोट :– मौखिकी परीक्षा चतुर्थ सत्रार्ध/सेमेस्टर के सभी विद्यार्थियों के लिए

टिप्पणी– (अ) एम. ए. के प्रत्येक सत्र के पाठ्यक्रम के आलोक में लिखित परीक्षा की समाप्ति के पश्चात् संस्कृत विभाग में निर्धारित तिथि को मौखिक परीक्षा सम्पन्न होगी, जिसकी सूचना परीक्षार्थियों को उनकी अन्तिम लिखित परीक्षा के दिन दे दी जायेगी। मौखिकी के समय समस्त परीक्षार्थियों को तृतीय सत्रार्द्ध/सेमेस्टर की अपनी मूल अंकतालिका परीक्षकों के समक्ष अनिवार्यतः प्रस्तुत करनी होगी।

(ब) प्रत्येक प्रश्न पत्र में 75 अंक लिखित प्रश्न पत्र हेतु निर्धारित है, जिसका पाठ्यक्रम उपर्युक्त प्रकार से विभाजन पूर्वक दिया गया है।

(स) प्रत्येक प्रश्न पत्र में 25 अंक आन्तरिक मूल्यांकन हेतु निर्धारित हैं, जिसके मूल्यांकन का आधार छात्र की उपस्थिति, अनुशासन तथा एसाइन्मेंट एवं प्रजेंटेशन (प्रस्तुतीकरण) होगा।

———————